**02-03-2024**

आज

# एनएसआई के निदेशक प्रो. डी. स्वाईन ने कार्यभार संभाला

निदेशक प्रो. डी. स्वाईन

कानपुर, 1 मार्च। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान (एनएसआई) के निदेशक प्रो. डी. स्वाईन ने शुक्रवार को अपना कार्यभार संभाल लिया है। प्रो. स्वाईन ने पत्रकारों को बताया कि संस्थान में संचालित छह कोर्सेज में पीजी डिप्लोमा की पढ़ाई की जाती है। लेकिन अब अगले साल नये सत्र से शुगर टेक्नोलाजी, शुगर इंजीनियरिंग और अल्कोहल में पीजी डिग्री कोर्स चलाये जाने की तैयारी है। इसके लिए दिल्ली में मंत्रालय, यूजीसी को प्रस्ताव भेजकर अनुमति ली जाएगी। साथ ही सालों से बंद पीएचडी को फिर शुरू कराया जाएगा। संस्थान में 40 फीसदी फैकल्टी कमी है और रिक्त पदों पर नई नियुक्तियां के साथ लंबित प्रमोशन की फाइलों को भी आगे बढ़ाया जाएगा। उन्होंने कहाकि पर्यावरण प्रदूषण को रोकने और विदेशी मुद्रा बचाने के लिए देश को जैव ईंधन की आवश्यकता है। खाद्य व ईंधन की वर्तमान स्थिति सरकार को इथेनाल के उत्पादन को सीमित करने को मजबूर कर सकती है और इस स्थिति में संस्थान संकट का समाधान प्रदान करके में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। संस्थान का बायो फ्यूल से संबंधित सेंटर आफ एक्सीलेंस स्थापित करके गैर-खाद्य फीड स्टाक का उपयोग करके इथेनाल उत्पादन को प्रोत्साहित करने का उददेश होगा। उड़ीसा से आने वाले प्रो. स्वाईन ने सन 1989 में शुगर इंजीनियरिंग में पढ़ाई की थी। इसके बाद मेरठ में डीसीएम में नौकरी के बाद सन् 1992 में इंस्टीट्यूट में लेक्चरर के सहायक प्रोफेसर के पद कार्य किया है।

कानपुर न्यूज

DT दीनार टाइम्स

कानपुर, शनिवार 2 मार्च 2024 | 23

# डी स्वाइन ने कहा जल्द ही भर्ती प्रक्रिया शुरू की जायेगी

प्रो. डी. स्वाईन ने गुरुवार की शाम राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर के निदेशक के पद पर कार्यभार संभाला

डीटीएनएन | कानपुर

प्रो. डी. स्वाईन ने 29 फरवरी 2024 की शाम को राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर के निदेशक के पद पर कार्यभार संभाला। प्रो. स्वाईन ने एच.बी.टी.आई. कानपुर से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में स्नातकोत्तर और राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर से शुगर इंजीनियरिंग करने के उपरांत, 1992 से संस्थान में ले. रर (शुगर इंजीनियरिंग) के सहायक प्रोफेसर (शुगर इंजीनियरिंग) एवं प्रोफेसर (शुगर इंजीनियरिंग) के पद पर कार्य कर चुके हैं। प्रो. स्वाईन चीनी, अल्कोहल और कोजेनेरशन उद्योग के विभिन्न पहलुओं में अनुभव रखने वाले एक दक्ष पेशेवर हैं और पिछले 31 वर्षों से राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर, खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, भारत सरकार से जुड़े हुए हैं। संस्थान ने विगत कुछ वर्षों




से अच्छा प्रदर्शन कर, विश्व स्तर पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। प्रो. स्वाईन ने कहा है कि वह इस गति बनाए रखेंगे और संस्थान के वैश्वीकरण की दिशा में और उत्कृष्टता हासिल करने का प्रयास करेंगे। नियमित गतिविधियों के अलावा, उनका लक्ष्य संस्थान में चल रहे विभिन्न स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रमों को स्नातकोत्तर डिग्री पाठ्यक्रमों में परिवर्तित करके उनमें एकरूपता लाना है। चीनी रिफाइनरी संचालन पर एक नए पाठ्यक्रम को शामिल करने और कुछ मौजूदा पाठ्यक्रमों में सीटों के हालिया विस्तार को ध्यान में रखते हुए, एक और नए छात्रावास का निर्माण का लक्ष्य होगा। पर्यावरण प्रदूषण को रोकने और विदेशी मुद्रा बचाने के लिए देश को जैव ईंधन की आवश्यकता है। खाद्य बनाम ईंधन की वर्तमान स्थिति सरकार को इथेनॉल के उत्पादन को सीमित करने को मजबूर कर सकती है और इस स्थिति में संस्थान संकट का समाधान प्रदान करके में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। संस्थान का बायो फ्यूल से सम्बंधित सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस स्थापित करके गैर-खाद्य ीड स्टॉक का उपयोग करके इथेनॉल उत्पादन को प्रोत्साहित करने का उद्देश्य होगा। संस्थान में फैकल्टी की कमी को महसूस करते हुए, भर्ती प्रक्रिया में तेजी लाना और नए सत्र शुरु होने से पहले पदों को भरना संस्थान प्रशासन के लिए एक लक्ष्य होगा। प्रोफेसर स्वाइन ने कहा संस्थान फैकल्टी क्राइसिस से जूझ रहा है हमें यह समस्या जल्द से जल्द दूर करनी है और भर्ती प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी।

अमर उजाला

# अगले सत्र से शुरू होंगे डिग्री कोर्स

माई सिटी रिपोर्टर

कानपुर। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान (एनएसआई) में सिर्फ डिप्लोमा कोर्स संचालित हैं। इन डिप्लोमा कोर्स की मदद से छात्रों का लक्ष्य पूरा नहीं होगा। अब प्रयास किया जा रहा है कि अगले सत्र से शुगर इंजीनियरिंग, शुगर टेक्नोलॉजी व अल्कोहल टेक्नोलॉजी में डिग्री कोर्स शुरू किए जाएं। यह बात एनएसआई के नए निदेशक प्रो. डी स्वैन ने प्रेसवार्ता में दी।

प्रो. डी स्वैन। संवाद

प्रो. नरेंद्र मोहन के सेवानिवृत्त होने के बाद संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक प्रो. स्वैन ने शुक्रवार को कार्यभार ग्रहण किया। प्रो. स्वैन संस्थान के पूर्व छात्र भी रहे हैं। उन्होंने 1989 में शुगर इंजीनियरिंग की पढ़ाई की थी। वर्ष 1992 से संस्थान में सहायक प्रोफेसर पद पर कार्यरत हैं। प्रो. स्वैन ने कहा कि उनकी प्राथमिकता प्रवेश, रिसर्च व सेमिनार पर रहेगी। संस्थान में जल्द ही बॉयोफ्यूल का सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किया जाएगा।

## दैनिक जागरण

# डिप्लोमा कोर्स को परास्नातक डिग्री में बदलेगा एनएसआइ

जासं, कानपुर : राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में शोध गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रमों को दो वर्षीय परास्नातक पाठ्यक्रम में बदला जाएगा। यह बात संस्थान के निदेशक प्रो. डी स्वाइन ने कार्यभार संभालने के बाद शुक्रवार को कही। संस्थान में जैविक ईंधन का एक्सीलेंस सेंटर भी विकसित करेंगे। केंद्र सरकार से अनुमति मिलते ही इस केंद्र को शुरू किया जाएगा।

प्रो. डी स्वैन ● संस्थान

हरकोर्ट बटलर टेक्निकल संस्थान से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में स्नातकोत्तर करने वाले प्रो.डी.स्वाइन ने 199 में एनएसआइ में शुगर इंजीनियरिंग व्याख्याता के तौर पर शिक्षण कार्य की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि 31 वर्ष तक शिक्षण से जुड़े रहकर महसूस किया है कि संस्थान के सभी छह पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में एकरूपता लाई जाए। परास्नातक डिग्री का दर्जा मिले और छात्र-छात्राएं भी शोध कार्यों में शामिल हो सकें।

# शर्करा संस्थान में जल्द शुरू होगी पीजी डिग्री: निदेशक

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

**अमृत विचार।** राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में डिप्लोमा के साथ पीजी डिग्री भी हो सकेगी। संस्थान के नए निदेशक ने दावा किया कि वे इसके प्रयास में जुट गए हैं। संस्थान में पीजी कोर्स शुरू होने से शोध कार्यों में इजाफा हो सकेगा।

निदेशक प्रो डी स्वाईन ने कार्यभार ग्रहण किया। कहा कि संस्थान में 6 डिप्लोमा कोर्स संचालित हो रहे हैं। इन कोर्स को डिग्री कोर्स में बदले जाने का प्रयास चल रहा है। डिग्री कोर्स न होने पर संस्थान के शोधार्थियों को अन्य संस्थानों की ओर रुख करना पड़ता है। 2024 में पेट्रोल में बायो फ्यूल की मात्रा बढ़ाकर 12 फीसदी करनी थी, जिसको हम लोगों ने हासिल कर लिया है, लेकिन 2025 तक इसकी मात्रा को 20 फीसदी करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। संस्थान में इस दिशा में तेजी से काम करना है। संस्थान का बायो फ्यूल से सम्बंधित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित करके गैर-खाद्य फीड स्टॉक का उपयोग करके इथेनॉल उत्पादन को प्रोत्साहित करने का उद्देश्य होगा। प्रो. डी स्वाईन ने बताया कि चीनी रिफाइनरी संचालन पर एक नए पाठ्यक्रम को शामिल करने और कुछ मौजूदा पाठ्यक्रमों में सीटों के विस्तार को ध्यान में रखते हुए नए छात्रावास का निर्माण लक्ष्य बनाया गया है। उन्होंने कहा कि संस्थान में फैकल्टी की 40 फीसदी कमी है।

प्रो. डी स्वाईन।

## Digital News

- प्रो० डी स्वाईन, निदेशक नेशनल सुगर इंस्टीट्यूट